Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

© www.ncerthelp.com

आदर्श प्रश्न पत्र

हिंदी–केंद्रिक

कक्षा–ग्यारहवीं

समयः 3 घंटे पूर्णांक– 90

निर्देशः इस प्रश्न पत्र के तीन खण्ड हैं– 'क','ख','ग'। सभी प्रश्नों को क्रमानुसार कीजिए।

	खंड 'क'	
प्र.1	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– गाँधी जी और भगत सिंह लोक जीवन की कुंजी किस तत्व को मानते थे इसका समाधान करने की स्थिति यहाँ नही है। यहाँ तो इस संबध में मैं इतना ही कह सकता हूँ कि भगत सिंह लोक–मानस में अपने अनूकुल वातावरण को अपने प्रयासो से निर्माण करने में दक्ष थे और गांधी जी सामाजिक परिस्थितियों से स्वंय उत्पन्न वातावरण को अपने अनुकुल करने में बेजोड़ थे। लोक मानस के मन में भाव होते हैं, पर भाषा नहीं होती। जो व्यक्ति भाव को भाषा देता है, लोक जीवन में उसे ही अपना नेता, अपना कर्णधार अपना आदर्श मानने की स्वेच्छा उत्पन्न हो जाती है। यह मेरी कुंजी का पूवार्द्ध है। उत्तरार्द्ध यह है कि लोक के मानस में आकांक्षा होती है,पर उस आकांक्षा को पूर्ण करने के प्रयत्नों की योजना नही होती। जो उसे योजना देता है, उस योजना पर चलने की प्रेरणा देता है, चलाता है और लक्ष्य पर पहुँचने से पहले रुकने, थकने नही देता, वह उसका आराध्य नेता और आदर्श पुरूष हो जाता है। इसी पृष्ठभूमि में मैं यह कहना चाहता हूँ कि लोक जीवन का बल अपने भौर्य, पराक्रम या त्याग–बलिदान से प्रदीप्त व्यक्तियों का आदर्श है, वह जीवित रूप में हो, साहित्य–इतिहास के रूप में। बस एक ही प्रश्न और लोक	

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

	की सर्वोत्तम,सर्वोच्च आकांक्षा क्या है? मेरा अनुभव कहता है कि लोक की मूल जीवन–वृत्ति है आनन्द। आनन्द पनपता है भ्रांति में, और भ्रांति की लता पुष्पित होती है स्थिरता में। तो भ्रांत जीवन ही लोक की सर्वोत्तम–सर्वोच्च आकांक्षा हैं।	2 2
	(क) भगत सिंह की क्या विशेषता थी?	2
	(ख) महात्मा गांधी किस में बेजोड़ थे?	2
	(ग) भगत सिंह और महात्मा गांधी में क्या अतंर था?	2
प्र.2	(घ) लोक जीवन किसे अपना आराध्य नेता और आदर्श पुरूष मानता है?	
	(ड़) उपर्युक्त गद्यांश का भीर्षक लिखिए?	
	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–	
	मस्त योगी हैकि हम सुख देखकर सबका सुखी हैं, कुछ अजब मन है कि हम दुख देखकर सबका दुखी है, तुम हमारी चोटियों की बर्फ को यों मत कुरेदो, दहकता लावा हृदय में है कि हम ज्वालामुखी हैं! लास्य भी हमने किए हैं और तांड़व भी किए हैं, वंश मीरा और शिव के, विष पिया है और जिये हैं, दूध माँ का या कि चंदन या कि केसर जो समझ लो,	1
	यह हमारे देश की रज है, कि हम इसके लिए हैं!	1
	(क) इस कविता में किस देश के निवासियो की बात की गई है? कारण दीजिए।	1
	(ख) लास्य और तांड़व से आप क्या समझते हैं?	1
	(ग) इस कविता में भारतीयों की किस विशेषता को उजागर किया गया है?	1
	(घ) कविता का मूल भाव क्या है?	
प्र.3	(ड.) कविता के लिए उचित भीर्षक दीजिए?	10
	खंड 'ख'	
	निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए–	
	(क) भ्रष्टाचार एक कलंक	

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

© www.ncerthelp.com

	(ख) व्यायाम के लाभ	
प्र.4	(ग) देश के उत्थान में युवाओं का योगदान।	**5**
	(घ) जनसंख्या–विस्फोटः एक समस्या	
	सूचना और संचार के माध्यमो की बढ़ती लोकप्रियता के कारण पत्र–लेखन पीछे छूट गया है। पत्र लेखन के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।	
	अथवा	
प्र.5	किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए जिसमें ''अपराधी तत्वों के राजनीति में आने से लोकतंत्र को खतरा हो गया है'' का वर्णन किया गया हो।	**1**
	निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–	**1**
	(क) छह ककारों से क्या तात्पर्य है?	**1**
	(ख) उल्टा पिरामिड़ भौली पर प्रकाश ड़ालिए?	**1**
	(ग) अंशकालिक पत्रकार से आप क्या समझते है?	**1**
प्र.6	(घ) समाचारों को संकलित करने वाले को क्या कहा जाता है?	**5**
	(ङ) फीचर लेखन की प्रमुख विशेषता क्या है?	
प्र.7	'भारत के बदलते स्वरूप पर' पर एक फीचर लिखिए।	
	खंड 'ग'	
	निम्नलिखित मे से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए?	
	हम तौ एक एक करि जानां दोई कहैं तिनहीं को दोजग जिन नाहिंन पहिचानां।। एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समानां।। एकै खाक गढ़े सब भांड़े एकै कोंहरां सानां।। जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई। सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरै सरूपै सोई।।	**2**
	माया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबानां।	**2**

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

	निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवानां।।	2
	(क) कबीर परमात्मा के किस रूप में आस्था रखते हैं?	2
	(ख) 'कबीर ने किन लोगों को नरक का अधिकारी माना है?	
	(ग) कबीर ने किस प्रकार सिद्ध किया है कि ईश्वर एक है?	
	(घ) कबीर के अनुसार प्रभु को जानने के लिए क्या आवश्यक है?	
	अथवा	
	अंधकार की गुहा सरीखी उन आँखों से डरता है मन भरा दूर तक उनमें दारूण दैन्य दुख का नीरव रोदन	
	वह स्वाधीन किसान रहा? अभिमान भरा आँखों में इसका, छोड़ उसे मझधार आज	2
	संसार कगार सदृश बह खिसका।	2
		2
	(क) कवि को किसकी आँखें गुहा सरीखी लगती हैं और क्यों?	
	(ख) किसान की आँखों में क्या–क्या समाया हुआ है?	2
प्र.8	(ग) 'वह स्वाधीन किसान रहा, अभिमान भरा आँखों में इसका'–इस काव्य–पंक्ति में किसान के जीवन को कैसा बताया गया है?	
	(घ) किसान के अतीत और वर्तमान में क्या अंतर आ गया है?	
	निम्नलिखित में से किसी एक काव्याँश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–	
	नाचने के लिए खुला आंगन	3
	गाने के लिए गीत	3
	हँसने के लिए थोड़ी सी खिलखिलाहट	

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

	रोने के लिए मुट्ठी भर एकांत	
	(क) भाषा की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	
	(ख) ''मुट्ठी भर एकांत'' का सौंदर्य स्पश्ट कीजिए।	3
	अथवा	3
प्र.9	अंसुवन जल सींचि सींचि प्रेम–बेलि बौयी।	
	अब त बेलि फैलि गयी, आणंद–फल होयी।।	2
	(क) काव्यांश के रूपक का निहितार्थ लिखिए	2
	(ख) पंक्तियो में आए अलंकार बताइए।	2
प्र10	निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–	
	(क) कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं?	
	(ख) कवि किसान की ऑखो से क्यों ड़रता है ?	
	(ग) आओ मिलकर बचाएँ में कवयित्री क्या बचाने की प्रेरणा देती हैं?	
	निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–	
	आगे भी इस देश में जो प्रधान भाासक आए ,अंत में उनको जाना पड़ा।	
	इससे आपका जाना भी परंपरा की चाल से कुछ अलग नही है, तथापि भाासन–काल	
	का नाटक घोर दुखांत है ,और अधिक आश्चर्य की बात यह है कि दर्शक तो क्या,	
	स्वंय सूत्रधार भी नही जानता था कि उसने जो खेल सुखांत समझकर खेलना आरंभ	2
	किया था, वह दुखांत हो जावेगा। जिसके आदि में सुख था ,मध्य में सीमा से बाहर	2
	सुख था ,उसका अंत इतने घोर दुख के साथ कैसे हुआ? आह! घमंडी खिलाड़ी	2
	समझता हैं कि दूसरो को अपनी लीला दिखाता हूँ। किंतु परदे के पीछे एक और ही	
	लीलामय की लीला हो रही है, यह उसे खबर नहीं।	
	(क) कर्जन के भाासन काल का नाटक दुखांत क्यों है?	
	(ख) सूत्रधार किसे कहा गया है? उसके द्वारा खेल खेलने का क्या अभिप्राय है ?	
	(ग) 'और ही लीलामय की लीला' से लेखक किस की ओर संकेत करना चाहता है?	
	अथवा	

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

	यह पावस यहॉ नही पहुँचता है। कालीदास की बर्षा की भोभा विन्ध्याचल में है। हिमांचल की इन मध्य की घाटियो में नही है। मैं नही जानता कि इसका लालित्य लाहुल–स्पीति के नर–नारी समझ भी पाएंगे या नहीं। वर्षा उनके संवेदन का अंग नही है। वह यह जानते नही हैं कि 'बरसात में नदियॉ बहती है, बादल बरसते, मस्त हाथी चिंघाड़ते हैं, जंगल हरे–भरे हो जाते है, अपने प्यारो से बिछुड़ी हुई स्त्रियाँ रोती–कलपती है, मोर नाचते हैं और बंदर चुप मारकर छिपते हैं।	2
	अगर कालीदास यहॉ आकर कहें कि' अपने बहुत से सुदंर गुणो से सुहानी लगने	2
	वाली, स्त्रियों का जी खिलाने वाली ,पेड़ो की टहनियो और बेलो की सच्ची सखी	2
प्र011	तथा सभी जीवो का प्राण बनी हुई वर्षा ऋतु आपके मन की सब साधें पूरी करें' तो स्पीति के नर–नारी यही पूछेंगे कि यह देवता कौन है? कहॉ रहता है? यहॉ क्यों नही आता ह्वै? स्पीति में कभी–कभी बारिश होती है। वर्षा ऋतु यहॉ मन की साध पूरा नही करती। धरती सूखी, ठंडी और वंध्या रहती है।	9
	(क) इस निबंध तथा लेखक का नाम बताइए	
	(ख) लेखक को क्यों लगता है कि लाहुल–स्पीति के लोग कालिदास के प्रसंग को नही समझ पाएँगे।	
	(ग) कालिदास ने वर्षा ऋतु का किस प्रकार गुणगान किया है ?	
प्र.12	निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए–	9
	(क) 'नमक का दरोगा' पाठ के आधार पर वंशीधर की किन्ही तीन चारित्रिक विशेषताओ को लिखिए ?	
	(ख) लेखिका ने मियॉ नसीरूद्दीन को नानाबाइयों का मसीहा कहा, आप उससे कहॉ तक सहमत हैं ?	
	(ग) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वन्दी क्यों नही समझता था?	
प्र.13	(घ) 'जामुन का पेड़' के आधार पर सरकारी कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का उल्लेख कीजिए।	6
	'वितान' पाठ्य पुस्तक के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए–	

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

	(क) चेजारेा के साथ गॉव समाज के व्यवहार में पहले की तुलना में आज क्या फर्क आया है, पाठ के आधार पर बताइए ? (ख) भाास्त्रीय संगीत और चित्रपट संगीत के तीन अन्तर बताइए। (ग) भूमि के अंदर भीषण गर्मी में चेजारो के लिए ताजी हवा का प्रबंध कैसे किया जाता है? (घ) तातुश लेखिका को देखकर प्रसन्न क्यों हो उठते थे? निम्नलिखित में से किसी एक प्रन का उत्तर दीजिए– (क) राजस्थान में कुंई किसे कहते हैं? इसकी गहराई और व्यास तथा सामान्य कुओं की गहराई और व्यास में क्या अंतर होता है? (ख) ''आलो आंधारि'' नामक पाठ से जनसामान्य के लिए क्या संदेश संप्रेशित किया गया है? नोटः– 10 अंकों के मौखिक परीक्षण का आयोजन विशयाध्यापक स्वयं करेंगे।	

*****समाप्त*****

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12